जवाहरलाल नेहरु कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग

प्रेषक : *भोगल*
सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी

क्रमांक 103
दिनांक 09.09.2021

उच्च गुणवतायुक्त खाद्यान्न में खाद्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी अहम भूमिका
जनेकृविवि में 5 दिनी किसान संगोष्ठी सह बेवीनार का आयोजन

जबलपुर 09 सितम्बर। जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय स्थित राष्ट्रीय कृषि विकास योजना, स्ट्रेंथनिंग ऑफ क्राप क्वालिटी एंड फूड टेस्टिंग लेबोरेट्री, खाद्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा कुलपति डॉ. प्रदीप कुमार बिसेन के मार्गदर्शन में 5 दिवसीय किसान संगोष्ठी सह बेवीनार का आयोजन किया गया। खाद्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. शिवशंकर शुक्ला ने स्वागत भाषण में कार्यक्रम की महत्ता पर प्रकाश डाला एवं विद्यार्थियों एवं युवा उद्यमियों को स्वरोजगार हेतु प्रेरित किया।

मुख्य वक्ता के रूप में, रक्षा खाद्य अनुसंधान प्रयोगशाला, रक्षा अनुसंधान एवं विकास संस्थान, मैसूर के खाद्य विज्ञानी डॉ. ओम प्रकाश चौहान ने रक्षा खाद्य अनुसंधान प्रयोगशाला में सैन्य बलों के लिए विकसित विशेष खाद्य पदार्थों एवं उसकी उपयोगिता पर प्रकाश ड़ालते हुये कहा कि देश की सीमाओं के प्रहरी हमारे फौजी जवानों के लिये उच्च गुणवतायुक्त खाद्यान्न सामग्री की जरूरत होती है। इस हेतु खाद्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी का बहुत बड़ा योगदान है। इस तकनीक से विकसित खाद्यान्न देश की सीमाओं पर विपरीत मौसम एवं जलवायु में डटे हमारे वीर जवानों के लिये बहुपयोगी साबित होता है। सैन्य बलों के चुनौतीपूर्ण एवं दुर्गम वातावरण में शारीरिक एवं मानसिक जरूरत को ध्यान में रखते हुये खाद्य पदार्थो की संरचना तैयार की जाती है। डॉ. चौहान से अंतरिक्ष यात्रा के दौरान यात्रियों के लिए उपयोग किये जाने वाले खाद्य पदाथों के विकास एवं उनके परिक्षण की टेक्नोलाजी के बारे में विस्तार में बताया।

प्रमुख वक्ता डॉ. पी.एस. पनेसर, डीन योजना एवं विकास, संत लोंगोवाल इंजीनियरिंग एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, संगरूर पंजाब, ने अपने व्याख्यान में खाद्य प्रौद्योगिकी में जैव प्रौद्योगिकी के इंटरवेसंन प्रयोगों के बारे में विस्तार से बताया और युवा उद्यमियो को नए उद्योग लगाने के लिए प्रेरित किया। खाद्य गुणवत्ता परीक्षण, भानू फार्म लिमिटेड के प्रमुख श्री गिरीश गजभिये ने मधप्रदेश में खाद्य प्रसंसकरण उद्योगों की प्रबल संभावना पर जोर दिया एवं खाद्य प्रौद्योगिकी में प्रशिक्षित मानव संसाधन विकास विशेष बल दिया और फ्रोजन फूड की प्रमुख तकनीक, उपयोग एवं चुनौतियों का जिक्र करते हुये युवा उद्यमियों को फ्रोजन उद्योग के लिये प्रेरित किया।

नाबार्ड भोपाल के मैनेजर श्री अपूर्व गुप्ता, उपसंचालक उद्यान जबलपुर श्रीमति नेहा पटेल, कु. रोहिला हसमत, संचालक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी, एमाजा सर्विसेस प्रा.लि.नई दिल्ली, जर्नल आफॅ फूड साइंस एंड टेक्नोलाजी, सीएफटीआरआई मैसूर के मुख्य संपादक डॉ. एन. भास्कर, अधिष्ठाता कृषि महाविद्यालय डॉ. शरद तिवारी, संचालक, कृषि उद्यम प्रबंधन संस्थान डॉ. एस.बी. नाहतकर आदि ने अपने व्याखान में कृषि आधारित उद्योग, युवा उद्यमियों के लिए मध्यप्रदेश शासन एवं केन्द्र सरकार वित पोषित ऋण/अनुदान योजनाओं, खाद्य प्रसंस्करण उद्योग, खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों में काम आने वाले अन्तर्राष्ट्रीय मानकीकरण संगठन, एवं खाद्य सुरक्षा अधिनियमों व खाद्य सुरक्षा अधिनियम से जुड़े प्रशिक्षण संस्थानों आदि के बारे में विस्तृत जानकारी दी।

कार्यक्रम का संचालन विभागाध्यक्ष डॉ. शिवशंकर शुक्ला एवं आभार प्रदर्शन डॉ. आर.एस ठाकुर ने किया। आयोजन में डॉ. प्रतिभा परिहार, डॉ. अल्पना सिंह, डॉ. कैलाशचंन्द्र महाजन एवं डॉ. आर.एस ठाकुर का विशेष योगदान रहा।

—000—